



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 455]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 29, 1986/आश्विन 7, 1908

No. 455]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 29, 1986/ASVINA 7, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

शहरी विकास मंत्रालय

(संपदा निदेशालय)

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1986

अधिसूचना

सा. का. नि. 1114(अ).—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगिता की बेवखली) नियम, 1971 का श्रौत संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेवखली) संशोधन नियम, 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेवखली) नियम, 1971 में, :—

(1) नियम 4 में,—

(क) उपनियम (1) में, “अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) या धारा 5 की उपधारा (1) या धारा 5 क की उपधारा (2) या धारा 5 (ख) को उपधारा (1) या (2) या (5) या धारा 6 की उपधारा (1) या (1क) या धारा 7 की उपधारा (1) या

(2) की धारा 13 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई किसी सूचना की तामील, ऐसे व्यक्ति को जिसके लिए वह आशयित हो या उसके कुटुम्ब के किसी व्यक्ति को उस सूचना की एक प्रति का परिधान करके या देकर” शब्दों, कोष्ठकों, अंकों या अक्षरों के स्थान पर “उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) या धारा 5 क की उपधारा (2) या धारा 5 ख की उपधारा (1) या धारा 6 की उपधारा (1) या उपधारा (1क) के अधीन जारी की गई किसी सूचना या धारा 5 की उपधारा (1) या धारा 5 क की उपधारा (3) या धारा 5 ख की उपधारा (1) या उपधारा (2) या उपधारा (5) या धारा 5 ग की उपधारा (1) या उपधारा (2) या धारा 7 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के अधीन जारी किए गए किसी आदेश की तामील, ऐसे व्यक्ति को जिसके लिए वह आशयित हो या उसके कुटुम्ब के किसी व्यक्ति को उस सूचना या आदेश की एक प्रति परिधान करके या देकर” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(ख) उपनियम (2) में, “सूचना” शब्द के स्थान पर “यथा-स्थिति, सूचना या आदेश” शब्द रखे जाएंगे;

(ग) उपनियम (3) में,—

(1) “उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) या धारा 5 क की उपधारा (2) या धारा 5 ख

- की उपधारा (5) या धारा 6 की उपधारा (1) या (1क) या धारा 7 की उपधारा (1) या उपधारा (2) या धारा 13- की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई सूचना" अर्थात्, कोष्ठकों, अंकों और अक्षरों के स्थान पर "उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) या धारा 5क की उपधारा (2) या धारा 6 की उपधारा (1) या उपधारा (1क) के अधीन जारी की गई कोई सूचना या धारा 5क की उपधारा (1) या उपधारा (3) या धारा 5क की उपधारा (1) या उपधारा (2) या उपधारा (5) या धारा 5ग की उपधारा (1) या उपधारा (2) या धारा 7 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के अधीन जारी किया गया कोई आदेश" शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;
- (2) "सूचना" शब्द के स्थान पर अहाँ-जहाँ वह आता है, "यथास्थिति सूचना आदेश" शब्द रखे जाएंगे;
- (घ) उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(4) यदि उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1), धारा 5क की उपधारा (2) या धारा 6 की उपधारा (1) या उपधारा (1क) के अधीन जारी की गई सूचना की या धारा 5 की उपधारा (1) या धारा 5क की उपधारा (1) या उपधारा (2) या उपधारा (5) या धारा 5ग की उपधारा (1) या उपधारा (2) या धारा 7 की उपधारा (1) उपधारा (2) के अधीन जारी किए गए आदेश का उपनियम (1) में उपबंधित रीति में प्रामाणिक नहीं का जा सकती है, तो संपदा अधिकारी यदि वह उपयुक्त समझे तो यह निदेश दे सकेगा कि यथास्थिति, ऐसा सूचना या ऐसा आदेश कम-से-कम एक ऐसे समाचार-पत्र में जिसका उस परिश्रम में परिचालन है, प्रकाशित भी किया जाएगा, और वह उस सूचना या आदेश का अंतर्वस्तु की उस परिश्रम में डोरी पिटवाकर उद्घोषणा भी करवा सकेगा।"

(2) नियम 7 के उपनियम (1) को स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(1) यदि उक्त अधिनियम के अधीन,—

- (क) किसी सरकारी स्थान का कब्जा लेने में, या
- (ख) सरकारी स्थान के परिनिर्माण या संकर्म को सील लगाने में कोई बाधा पहुंचाई जाती है या संपदा अधिकारी की राय में पहुंचाए जाने की संभावना है, तो संपदा अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक् रूप से प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, आवश्यक पुलिस सहायता प्राप्त कर सकेगा।

परन्तु यह कि अप्राधिकृत परिनिर्माण को सील लगाने या उसका कब्जा लेने का कार्य, सुयोग्य से पूर्व या सुवर्ति के पश्चात् नहीं किया जाएगा।"

3. नियम 7 के उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"(3) अधिनियम की धारा 5 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित रीति में सील लगाई जाएगी, अर्थात्

- (1) किसी परिनिर्माण या सरकारी स्थान के संकर्म सभी अन्य बाहर जाने वाले या अन्दर जाने वाले दरवाजों को स्थिति रूप से बंद करने, ताया लगाने या रस्सी, तार या तार की जाली से बांधने के पश्चात् परिनिर्माण, या सरकारी स्थान के संकर्म के बाहरी या खुलने वाले दरवाजे पर कार्यालय की सील लगाना;
- (2) जहाँ किसी परिनिर्माण या सरकारी स्थान के संकर्म में दरवाजे या खिड़की नहीं लगे हैं या जहाँ ऐसे परिनिर्माण या सरकारी स्थान के संकर्म इस प्रकृति के हैं कि उन्हें रस्सी, तार या तार की जाली से नहीं बांधा जा सकता है, उस वृत्ति में ऐसे परिनिर्माण या सरकारी स्थान के संकर्म को सड़की के तख्तों या सीमेंट की छतों से ढक दिया जाएगा और कार्यालय की सील की इस रीति से लगा दिया जाएगा कि कार्यालय की सील को तोड़े बिना कोई भी व्यक्ति परिनिर्माण या सरकारी स्थान के संकर्म में प्रवेश न कर सके;
- (3) जहाँ कोई परिनिर्माण या सरकारी स्थान का संकर्म ताला बंद पाया जाता है, वहाँ भी साक्षियों की उपस्थिति में ताला तोड़ा जा सकेगा और किसी द्वार-दरवाजे या किसी अन्य रोध को खुलवाया जा सकेगा और पूर्वोक्त रीति में सील लगाने से पूर्व परिसर में पाई गई वस्तुओं की एक तालिका दो साक्षियों की उपस्थिति में तैयार की जाएगी।"

4. प्ररूप "क ख" "ख ख" और "गग" का लोप किया जाएगा।

(क) प्ररूप "कक" के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"प्ररूप कक—1"

उक्त अधिनियम की धारा 5क के उपनियम (2) के अधीन आदेश सेवा में:]

श्री/श्रीमती/कुमारी -----

मेरी, अर्थात् अधोहस्ताक्षरी की नीचे दिनिर्दिष्ट आधारों पर यह राय है कि आपने उक्त अधिनियम की धारा 5क की उपधारा (1) के उपबंधों के उल्लंघन में नीचे अनुसूची में उल्लिखित सरकारी स्थानों पर भवन/स्वावर संरचना/फिक्सचर परिनिर्माण किया है/रखा है/बनाया है।

2. और तारीख-----की एक लिखित सूचना द्वारा आपसे उक्त भवन/स्वावर संरचना/फिक्सचर को हटाने की या यह कारण दर्शित करने की अपेक्षा की गई थी कि आपने उक्त सरकारी स्थान से ऐसे भवन/स्वावर संरचना/फिक्सचर को नहीं हटाया है;

और आपने कारण दर्शित करने का जोग किया है या उक्त सरकारी स्थान से ऐसे भवन/स्वावर संरचना/फिक्सचरों को हटाने से इंकार किया है;]

और मैंने, उक्त सरकारी स्थान में उक्त भवन/स्वावर संरचना/फिक्सचर को न हटाने के लिए आपके द्वारा दर्शित किए गए कारणों पर विचार कर लिया है।

आधार

अतः अब मैं, उक्त अधिनियम की धारा 5क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह आदेश देता हूँ कि उक्त सरकारी स्थान से उक्त भवन/स्थावर संरचना/फिक्सचर को हटा लिया जाए। मैं श्री/श्रीमती/कुमारी ----- को भू-राजस्व की बकाया के रूप में, उक्त सरकारी स्थान से उक्त भवन/स्थावर, संरचना/फिक्सचर को हटाने की लागत के रूप में मेरे द्वारा निर्धारित ----- की रकम का संवाय

(क. (शब्दों में)

करने का भी आदेश देता हूँ।

अनुसूची

तारीख _____ संपदा अधिकारी के हस्ताक्षर और मुद्रा

प्रारूप कथ - 2

(उक्त अधिनियम की धारा 5क की उपधारा (3) के अधीन आदेश)

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी _____

मेरा अर्थात् अधोहस्ताक्षरी को, नीचे विनिर्दिष्ट आधारों पर यह राय है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ----- द्वारा नीचे अनुसूची में उल्लिखित सरकारी स्थान पर परिनिमित्त/रखी गई/विनिमित्त, स्थावर संरचना/फिक्सचर, संप्रदर्शित फैलाए गए माल, लाए गए/रखे गए पशुओं/जानवरों का लाना/बांधना, उक्त अधिनियम की धारा 5क की उपधारा (1) के उपबंधों का उल्लंघन में है/हैं और यह कि उक्त सरकारी स्थान पर परिनिमित्त रखी गई/विनिमित्त स्थावर संरचना/फिक्सचर, संप्रदर्शित/फैलाए गए माल/लाए गए पशु/जानवर को उक्त परिसर से हटा लिया जाए।

आधार

अतः अब, मैं उक्त अधिनियम की धारा 5क की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह आदेश देता हूँ कि उक्त सरकारी स्थान पर परिनिमित्त/रखी गई/विनिमित्त स्थावर संरचना/फिक्सचर, उस पर संप्रदर्शित/फैलाए गए माल, उसमें लाए गए/रखे गए पशु/जानवर को उक्त सरकारी स्थान से हटा लिया जाए। मैं श्री/श्रीमती/कुमारी ----- को उक्त सरकारी स्थान पर परिनिमित्त/रखी गई/विनिमित्त स्थावर संरचना/फिक्सचर, संप्रदर्शित/फैलाए गए माल, उस पर लाए/रखे गए पशु/जानवर को हटाए जाने की लागत के रूप में मेरे द्वारा निर्धारित ----- की रकम का भू-राजस्व

दो शब्दों में

की बकाया के रूप में संवाय करने का भी आदेश देता हूँ।

अनुसूची

तारीख _____ संपदा अधिकारी के हस्ताक्षर और उसकी मुद्रा

प्रारूप कथ

अधिनियम की धारा 5ख की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन सूचना का प्रारूप

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी _____

मेरी, अर्थात् अधोहस्ताक्षरी को, नीचे विनिर्दिष्ट आधारों पर यह राय है कि आपने सक्षम प्राधिकारी के उल्लंघन में या उसके द्वारा अप्राधिकृत रूप में नीचे अनुसूची में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थान पर संकर्म परिनिमित्त किया है/ पूरा किया है/ प्रारंभ किया है और उक्त संकर्म को उक्त परिसर से हटा लिया जाए।

आधार

अतः, अब मैं उक्त अधिनियम की धारा 5ख की उपधारा (1) के परन्तुक के अनुसरण में, तारीख ----- को या उसके पूर्व यह कारण दर्शित करने की अपेक्षा करता हूँ कि क्यों न ऐसे परिनिर्माण या संकर्म को तोड़ने का आदेश कर दिया जाए।

अनुसूची

*तारीख ----- संपदा अधिकारी के हस्ताक्षर और उसकी मुद्रा

*यह तारीख इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन से अन्यून के पश्चात की तारीख होगी।

(ख) प्रारूप "ख" के पश्चात निम्नलिखित प्रारूप अंतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :--

प्रारूप कथ

(उक्त अधिनियम की धारा 5ख की उपधारा (1) के अधीन सूचना/आदेश) सेवा में

श्री/श्रीमती/कुमारी -----

मेरा अर्थात् अधोहस्ताक्षरी का नीचे लेखबद्ध किए गए कारणों से यह समाधान हो गया है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थान पर श्री/श्रीमती/कुमारी ----- द्वारा परिनिमित्त/पूरा किया गया/प्रारंभ किया गया संकर्म, उक्त अधिनियम के परन्तुकों के उल्लंघन में है या सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत नहीं किया गया है,

और तारीख ----- को लिखित सूचना द्वारा आपको, उक्त सरकारी स्थान से ऐसे भवन/स्थावर संरचना/फिक्सचर को हटाने के लिए या ऐसे भवन/स्थावर संरचना/फिक्सचर को न हटाने के लिए तारीख ----- तक कारण दर्शित करने की अपेक्षा की गई थी।

और आपने, उक्त सरकारी स्थान से ऐसे भवन/स्थावर संरचना/फिक्सचर को हटाने का खोप किया है। उसके लिए कारण दर्शित करने से इंकार किया है।

और मैंने, उक्त परिसर से उक्त भवन/स्थावर संरचना/फिक्सचर को न हटाने के लिए आपको द्वारा दर्शित कारणों पर विचार कर लिया है।

कारण

अतः, अब मैं, उक्त अधिनियम की धारा 5ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री/श्रीमती/कुमारी ----- को यह आदेश देता हूँ कि उक्त संकर्म को तोड़ा जाएगा। इस आदेश का अनुपालन करने से इंकार करने या उसका अनुपालन करने में असफल होने की दशा में उक्त संकर्म को संपदा अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा तोड़ दिया जाएगा और इस प्रकार तोड़े जाने के व्यय की आपसे बसूली की जाएगी।

अनुसूची

तारीख ————— संघदा अधिकारी के हस्ताक्षर और उसकी मुद्रा
प्रकृप — खख 1

उक्त अधिनियम की धारा 5-ख की उपधारा (2) के अधीन आदेश सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी —————

मेरी अर्थात् अधोहस्ताक्षरी की, यह राय है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट/सरकारी स्थान पर श्री/श्रीमती/कुमारी ————— द्वारा परिनिर्मित/प्रारंभ किया गया संकर्म, अधिनियम के उल्लंघन में है या सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत नहीं है।

कारण

—————
—————
—————

अतः, अब मैं, उक्त अधिनियम की धारा 5-ख की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री/श्रीमती/कुमारी ————— को निर्देश देता हूँ कि परिनिर्माण या संकर्म को, उस अवधि की समाप्ति तक, जिसके भीतर तोड़ने के आदेश यदि किया गया हो, के विरुद्ध धारा 9 के अधीन कोई अपील की गई है, बंद कर दे।

अनुसूची

तारीख ————— संघदा अधिकारी के हस्ताक्षर और उसकी मुद्रा
प्रकृप खख — 2

अधिनियम की धारा 5ख की उपधारा (5) के अधीन आदेश सरकारी स्थान (प्राधिकृत अधिभोगियों को बेदखली (अधिनियम, 1971 की धारा 5ख की उपधारा (1) के अधीन आदेश के अनुसरण में अनुसूची में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थान पर श्री/श्रीमती/कुमारी ————— द्वारा परिनिर्मित/पूरे किए गए/प्रारंभ किए गए संकर्म को तोड़ा गया था और इस प्रकार तोड़े जाने का व्यय श्री/श्रीमती/कुमारी ————— से वसूलनीय है। अतः अब मैं उक्त अधिनियम की धारा 5ख की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री/श्रीमती/कुमारी ————— को

(र० शब्दों में)

की रकम का, ————— से ————— के भीतर, —————
(अर्थात् आदेश में विनिर्दिष्ट किए जाएंगे)

किस्तों में ऐसे तोड़े जाने के व्यय के रूप में संदाय करने का आदेश देता हूँ।

अनुसूची

तारीख ————— संघदा अधिकारी के हस्ताक्षर और उसकी मुद्रा
प्रकृप खख

अधिनियम की धारा 5ग की उपधारा (1) के अधीन आदेश

मेरा, अर्थात् अधोहस्ताक्षरी का यह समाधान हो गया है कि नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थान पर श्री/श्रीमती/कुमारी ————— द्वारा परिनिर्मित/पूरा किया/प्रारंभ किया गया संकर्म, उक्त अधिनियम के उपबंधों के उल्लंघन में है या सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत नहीं किया गया है।

अतः अब मैं उक्त अधिनियम की धारा 5ग की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह आदेश देता हूँ कि उक्त संकर्म को तुरंत सील कर दिया जाए।

अनुसूची

तारीख ————— संघदा अधिकारी के हस्ताक्षर और उसकी मुद्रा
प्रकृप खख

अधिनियम की धारा 5ग की उपधारा (2) के अधीन आदेश

नीचे अनुसूची में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थान पर, उक्त अधिनियम के उपबंधों के उल्लंघन में, या सक्षम प्राधिकारी द्वारा अप्राधिकृत रूप में, श्री/श्रीमती/कुमारी ————— द्वारा परिनिर्मित/पूरा किया गया/प्रारंभ किया गया संकर्म, उक्त अधिनियम की धारा 5ग की उपधारा (1) के अधीन आदेश के अनुसरण में तारीख ————— को सील कर दिया गया

और श्री/श्रीमती/कुमारी ————— द्वारा उक्त अधिनियम के उल्लंघन में या सक्षम प्राधिकारी द्वारा अप्राधिकृत रूप में, परिनिर्मित/पूरा किए गए/प्रारंभ किए गए ऐसे संकर्म को तोड़ने के प्रयोजन के लिए ऐसी सील को हटाना आवश्यक है।

अतः, अब मैं, उक्त अधिनियम की धारा 5ग के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश देता हूँ कि उक्त सरकारी स्थान पर परिनिर्मित पूरा किए गए/प्रारंभ किए गए ऐसे संकर्म को तोड़ने के लिए उक्त सरकारी स्थान से सील को तुरंत हटा लिया जाए।

अनुसूची

तारीख ————— संघदा अधिकारी के हस्ताक्षर और मुद्रा

(ग) प्रकृप "ग" के पश्चात् निम्नलिखित प्रकृप अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

"प्रकृप गग"

उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1-क) के अधीन सूचना का प्रकृप श्री/श्रीमती/कुमारी —————

संघदा अधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 5क की उपधारा (2) के अधीन किए गए आदेश के अनुसरण में नीचे अनुसूची में वर्णित माल को सरकारी स्थान से, ————— से हटा दिया गया है।

अतः, अब मैं, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सूचना देता हूँ कि इस सूचना की प्राप्ति तामील किए जाने के चौदह दिन के पश्चात् नीचे अनुसूची में वर्णित ऐसे माल का, सार्वजनिक नीलामी द्वारा निपटान किया जाएगा।

यदि आप ऐसे माल का कब्जा लेना चाहते हैं, तो अधोहस्ताक्षरी से लिखित प्राधिकारी पर ऐसा करने के लिए आपको अनुज्ञात किया जाएगा परन्तु यह तब जब कि आपसे शीघ्र किराए/नुक़सान/लागत की किन्हीं वक़ायों का संदाय उक्त चौदह दिन की अवधि के भीतर कर दिया गया

अनुसूची

तारीख ————— संघदा अधिकारी के हस्ताक्षर और उनकी मुद्रा

[फाइल सं. 21011(1)/81 - नोति - 4]

जे. जन्ना, संयुक्त सचिव

टिप्पण - मूल नियम भारत के राजपत्र अध्याखण्ड भाग 2 खंड 3(i)

तारीख 13-12-71 में सं. का. नि. 1883 तारीख 25-11-71 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अधिवृत्ता सं. का. नि. आ. 791 तारीख 4-7-81 द्वारा संशोधित किए गए।

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

(Directorate of Estates)

New Delhi, the 23rd September, 1986

NOTIFICATION

G.S.R. 1114(E).—In exercise of the powers conferred by section 18 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) (hereinafter referred to as the said Act), the Central

Government hereby makes the following rules further to amend the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Rules, 1971, namely :—

1. (1) These rules may be called the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Amendment Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Public Premises, Eviction of Unauthorised Occupants) Rules, 1971,—

(1) In rule 4,—

(a) in sub-rule (1), for the words, brackets, figures and letters “a notice issued under sub-section (1) of section 4 or sub-section (1) of section 5 or sub-section (2) of section 5A or sub-section (1) or (2) or (5) of section 5B or sub-section (1) or (1A) of section 6 or sub-section (1) or (2) of section 7 or sub-section (1) of section 13 of the Act shall be served by delivering or tendering a copy of the notice”, the words, brackets, figures and letters “a notice issued under sub-section (1) of section 4 or sub-section (2) of section 5A or sub-section (1) of section 5B or sub-section (1) or sub-section (1A) of section 6 of an order issued under sub-section (1) of section 5 of sub-section (1) or sub-section (2) or sub-section (5) of section 5B or sub-section (1) or sub-section (2) of section 5C or sub-section (1) or sub-section (2) of section 7 of the said Act shall be served by delivering tendering a copy of the notice or order, as the case may be shall be substituted;

(b) In sub-rule (2), for the words “the notice”, the words “the notice or the order, as the case may be” shall be substituted;

(c) In sub-rule (3);

(i) for the words, brackets, figures and letters “a notice issued under sub-section (1) of section 4 or sub-section (2) of section 5A or sub-section (5) of section 5B or sub-section (1) or (1A) of section 6 or sub-section (1) or (2) of section 7 or sub-section (1) of section 13 of the said Act”, the words, brackets, figures and letters “a notice issued under sub-section (1) of section 4 or sub-section (2) of section 5A or sub-section (1) or sub-section (1A) of section 6 or an order issued under sub-section (1) or sub-section (3) of section 5A or sub-section (1) or sub-section (2) or sub-section (5) of section 5B or sub-section (1) or sub-section (2) of section 5C or sub-section (1) or sub-section (2) of section 7 of the said Act” shall be substituted;

(ii) for the words “the Notice”, whether they occur, the words “the notice or the order, as the case may be” shall be substituted;

(d) for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(4) If a notice under sub-section (1) of section 4 or sub-section (2) of section 5A or sub-section (1) or sub-section (1A) of section 6 or an order issued under sub-section (1) of section 5 or sub-section (1) or sub-section (2) or sub-section (5) of section 5B or sub-section (1) or sub-section (2) of section 5C or sub-section (1) or sub-section (2) of section 7 of the said Act cannot be served in the manner provided in sub-rule (1), the estate officer may, if he thinks fit, direct that such notice or order, as the case may be, shall also be published in at least one newspaper having circulation in the locality and he may also proclaim the contents of any notice or order in the locality by beat of drum”;

(2) in rule 7, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) If any obstruction is offered, or is in the opinion of the estate officer likely to be offered :—

(a) to the taking possession of any public premises; or

(b) to the sealing of erection or work or of the public premises.

under the said Act, the estate officer or any other officer duly authorised by him in this behalf may obtain necessary police assistance :

Provided that no sealing or taking possession of the unauthorised construction shall be made before the sunrise or after sunset”.

3. After sub-rule (2) of Rule 7, the following sub-rule shall be added, namely :—

“(3) The sealing under sub-section (1) of section 5C of the Act shall be made in the following manners, namely :—

(i) affixing the office seal on outer door or any erection or work of any public premises after all other outlets and inlets to there reaction or work or public premises have been properly bolted, locked or encircled with rope, wire or wire-mesh;

(ii) where doors and windows have not been fixed to any erection or work or public premises or where the erection of work on public premises is of such a nature that it cannot be encircled with rope, wire or wire-mesh in that case such erection or work or public premises shall be covered by wooden planks, iron or cement sheets and office seal affixed in a manner that no person can enter into or upon the erection or work or public premises without tampering the office seal :

(iii) where any erection or work on any public premises is found locked, the lock may be broken or any door, gate or any other barrier caused to be opened in the presence of two witnesses and an inventory of the articles found in the premises shall be prepared in the presence of the two witnesses before affixing the seal in the manner aforesaid.

4. Forms "AB", "BB" and "CC" shall be omitted.

(a) after Form "AA", the following Forms shall be inserted, namely :—

Form AA-I

Order under sub-section (2) of section 5A of the said Act.

To

Shri/Smt./Km.

.....

Whereas, I the undersigned, is of the opinion on the grounds specified below that you have erected|placed|raised the building|immovable structure fixture on the public premises mentioned in the Schedule below in contravention of the provisions of sub-section (1) of section 5A of the said Act;

2. And whereas, by a written notice dated— you were called upto to remove or to show cause by— why you should not remove such building|immovable structure|structure|fixture from the said public premises ;

And whereas you have omitted refused to show cause|remove such buildings|immovable structures|fixtures from the said public premises ;

And whereas I have considered the causes shown by you for not removing the said building|immovable structure|fixture from the said public premises.

GROUND

.....

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5A of the said Act, I hereby order that the said building|immovable structure|fixture be removed from the said public premises. I also hereby order Shri/Smt./Km. to pay a sum of Rs. |(Rupees.....) assessed by me as cost of removal of the said building|immovable structure fixture from the said public premises as an arrear of land revenue.

SCHEDULE

Date :

Signature and Seal of the Estate Officer.

Form AA-II

Order under sub-section (3) of section 5A of the said Act.

To

Shri/Smt./Km.

.....

Whereas, I the undersigned on the grounds specified below is of the opinion that the movable structure|fixture erected|placed|raised, goods displayed|spread, cattle|animal, brought|kept on the public premises mentioned in the Schedule below by Shri/Smt./Km. is|are in contravention of the provisions of sub-section (1) of section 5A of the said Act and that the said movable structure|fixture erected|placed|raised, goods displayed|spread, cattle|animal brought on the said public premises be removed from the said premises ;

GROUND

.....

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 5A of the said Act, I hereby order that the said movable structure|fixture, erected|placed, raised, goods displayed|spread, cattle|animal brought|kept on the said public premises be removed from the said public premises. I also hereby order Shri/Smt./Km. to pay a sum of Rs. |(Rupees.....) assessed by me as cost of removal of movable structure|fixture erected placed|raised, goods displayed|spread, cattle|animal brought|kept on the said public premises as an arrear of land revenue.

SCHEDULE

Date :

Signature and Seal of the Estate Officer.

Form AB

Form of notice under proviso to sub-section (1) of Section 5B of the Act.

To

Shri/Smt./Km.

.....

Whereas I, the undersigned is of the opinion on the grounds specified below, that you have erected|completed|commenced the work on the public premises specified below in the Schedule in contravention of, or not authorised by the competent authority and that the said work be demolished in the said premises.

GROUND

.....

Now, therefore, in pursuance of proviso to sub-section (1) of Section 5-B of the said Act, I hereby call upon you to show cause on or before the *.... why an order for demolition of such erection or work may not be made.

SCHEDULE

Date :

Signature and Seal of the Estate Officer.

*(This date should be a date of not less than 7 days from the date of publication of the notice).

(b) after Form "B", the following Forms shall be inserted namely :—

"FORM BB

* Notice|Order under sub-section (1) of section 5B of the said Act.

To

Shri|Smt.|Km.

.....

.....

Whereas, I the undersigned, is satisfied for the reasons recorded below that the work erected|completed|commenced by Shri|Smt.|Km. on the public premises specified in the Schedule is in contravention of the provisions of the said Act, or not authorised by the competent authority ;

And whereas, by a written notice dated..... you were called upto to remove or to show cause by..... why you should not remove such building|immovable structure|fixture from the said public premises ;

And whereas you have omitted|refused to show cause remove such building|immovable structure|fixture from the said public premises ;

And whereas I have considered the cause shown by you for not removing the said building immovable structure|fixture from the said public premises.

REASONS

.....
.....

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5B of the said Act, I hereby order Shri|Smt.|Km. that the said work shall be demolished. In the event of your refusal or failure to comply with this order, the said work shall be demolished by the Estate Officer or the officer authorised by him and the expenses of such demolition shall be recovered from you.

SCHEDULE

Date :

Signature and Seal of the
Estate Officer.

Form BB-I

Order under sub-section (2) of Section 5B of the said Act.

To

Shri|Smt.|Km.

.....

Whereas, I the undersigned, is of the opinion that the work erected|completed|commenced by Shri|Smt.|Km. on the public premises specified in the Schedule is in contravention of the Act or not authorised by the competent authority.

REASONS

.....
.....

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5B of the said Act, I hereby direct Shri|Smt.|Km. to stop the erection or work until the expiry of the period with in which an appeal against the order of demolition, if made may be preferred under Section 9.

SCHEDULE

Date :

Signature and Seal of the
Estate Officer.

Form BB II

Order under sub-section (5) of section 5B of the Act.

Whereas in pursuance of the order under sub-section (1) of Section 5B of the Public Premises (Eviction of unauthorised Occupants) Act, 1971, the work erected|completed|commenced by Shri|Smt.|Km. on the public premises specified in the schedule was demolished and the expenditure of such demolition are recoverable from the said Shri|Smt.|Km.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (5) of Section 5B of the said Act, I hereby order Shri|Smt.|Km. to pay a sum of Rs. (Rupees.....) as expenses of such demolition within..... (date to be specified in order) in..... No. of installments.

SCHEDULE

Date :

Signature and Seal of the
Estate Officer.

FORM BC

Order under sub-section (1) of section 5C of the Act.

Whereas, I the undersigned, is satisfied that the work erected|completed|commenced by Shri|Smt.|Km. on the public premises specified in the Schedule below is in contravention of the provisions of the said Act, or not authorised by the competent authority.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5C of the said Act, I hereby order that the said work shall be sealed forth-with.

SCHEDULE

Date :

Signature and Seal of the
Estate Officer.

FORM BD

Order under sub-section (2) of section 5C of the Act.

Whereas, the work|erected|completed|commenced by Shri|Smt.|Km. in contravention of the provisions of the said Act, or not authorised by the competent authority on the public premises specified in the Schedule below was sealed on..... in pursuance of order under sub-section (1) of section 5C of the said Act.

And whereas it is necessary for such seal to be removed for the purpose of demolition of such work erected|completed|commenced by Shri|Smt.|Kr..... in contravention of or not authorised by the competent authority for the purpose of demolition of such work erected|completed|commenced by Shri|Smt.|Km.....

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5C of the said Act, I hereby order that the said seal from the said public premises be removed forthwith for demolition of such work erected|completed|commenced on the said public premises.

SCHEDULE

Date :

Signature and Seal of
the Estate Officer".

(c) After Form "C", the following forms shall be inserted namely :—

"Form CC"

Form of notice under sub-section (1-A) of section 6 of the said Act.

To

Shri|Smt.|Km.....

.....

Whereas in compliance of the order made under sub-section (2) of section 5A of the said Act, the Estate Officer has removed the goods described in the Schedule below from the Public Premises No.....

Now, therefore, in exercise of the powers conferred on me by sub-section (1-A) of section 6 of the said Act, I hereby give you notice, that after fourteen days of the service of the notice on you such goods as described in the Schedule below shall be disposed of by public auction. In case you desire to take possession of your such goods, you will be permitted to do so on written authority from the undersigned provided any arrears for rent|damages|cost due from you are paid within the said period of fourteen days.

SCHEDULE

Date :

Signature and Seal of
the Estate Officer".

[File No. 21011 (1)|81.Pol.IV]

Smt. J. KHANNA, Jt. Secy.

Note :—Principal Rules were Notified vide No. GSR 1883 dated 25-11-71 published in Gazette of India, Extraordinary Part II sections 3 (1), dated 13-12-71 and amended by Notification No. GSR 791 dated 4-7-81.